भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

**राज्य सभा**

लिखित प्रश्न सं. 3184

गुरूवार, 27 मार्च, 2025/6 चैत्र, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

**ओडिशा में समुद्रतट पर्यटन**

**3184 श्री शुभाशीष खुंटियाः**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) ओडिशा में समुद्र तट पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, विशेष रूप से पुरी, गोपालपुर और चांदीपुर समुद्र तटों को ध्यान में रखते हुए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ख) ब्लू फ्लैग प्रमाणन पहल के तहत ओडिशा के समुद्र तटों पर स्वच्छता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं;

(ग) राज्य में समुद्र तट पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है; और

(घ) क्या मंत्रालय अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए जल क्रीड़ा और मनोरंजक गतिविधियाँ शुरू करने की योजना बना रहा है?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (घ): समुद्र तटों सहित पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास, संवर्धन और रखरखाव संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से देश के विभिन्न पर्यटन उत्पादों को बढ़ावा देकर राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। स्वदेश दर्शन योजना के तटीय परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

मंत्रालय द्वारा सतत पर्यटन के लिए तैयार की गई राष्ट्रीय कार्यनीति में पर्यावरणीय स्थायित्व एक प्रमुख स्तंभ है। कार्यनीति के अनुरूप, देश में सतत पर्यटन को बढ़ावा देने और

पर्यटकों तथा पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों को सतत पर्यटन प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु ट्रैवल फॉर लाइफ कार्यक्रम शुरू किया गया है।

पर्यटक और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण के साथ स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों का विकास करने के उद्देश्य से मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 के तौर पर नया रूप दिया गया है। यह योजना पर्यावरणीय स्थायित्व, सामाजिक-सांस्कृतिक स्थायित्व और आर्थिक स्थायित्व सहित स्थायी पर्यटन के सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

*******

अनुबंध

श्री शुभाशीष खुंटिया द्वारा ओडिशा में समुद्रतट पर्यटन के संबंध में दिनांक 27.03.2025 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 3184 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

**स्वदेश दर्शन योजना के तहत तटीय परिपथ के लिए स्वीकृत परियोजनाओं की सूची**

**(राशि करोड़ रु. में)**

| **क्र. सं.** | **राज्य का नाम** | **वर्ष** | **परियोजना का नाम** | **स्वीकृत राशि** |
|---|---|---|---|---|
| 1. | आंध्र प्रदेश | 2014-15 | काकीनाडा - होप आइलैंड - कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य - पासरलापुडी - अदुरु - एस यनम - कोटिपल्ली में परिपथ का विकास | 67.83 |
| 2. | आंध्र प्रदेश | 2015-16 | नेल्लोर - पुलिकट झील - उबब्लामाडुगु जल प्रपात - नेलपट्टू- कोथाकोडुरु- मायपाडु - रामतीर्थम - इस्कापल्ली का विकास | 49.55 |
| 3. | पुडुचेरी | 2015-16 | दुबरयापेट- अरिकमेडु - वीरमपट्टिनम - चुन्नम्बर - नल्लावाडु/नरम्बई - मनापेट- कालापेट - पुडुचेरी - यनम का विकास | 58.44 |
| 4. | पश्चिम बंगाल | 2015-16 | तटीय परिपथ का विकास: उदयपुर- दीघा- शंकरपुर- ताजपुर- मंदारमणि- फ्रेजरगंज- बखलाई- हेनरी द्वीप | 67.99 |
| 5. | महाराष्ट्र | 2015-16 | सिंधुदुर्ग - सागरेश्वर, तारकरली, विजयदुर्ग (समुद्र तट और क्रीक), मितभव तटीय परिपथ का विकास | 19.06 |
| 6. | गोवा | 2016-17 | सिंक्वेरिम-बागा, अंजुना-वागाटोर, मोरजिम-केरी, अगुआड़ा किला और अगुआड़ा जेल का विकास | 97.65 |
| 7. | ओडिशा | 2016-17 | गोपालपुर, बरकुल, सातपाड़ा और ताम्पारा का विकास। | 70.82 |
| 8. | अंडमान और निकोबार द्वीप समूह | 2016-17 | लांग आइलैंड-रॉस स्मिथ द्वीप-नील द्वीप-हैवलॉक द्वीप-बाराटांग द्वीप-पोर्ट ब्लेयर का विकास। | 27.57 |
| 9. | तमिलनाडु | 2016-17 | चेन्नई-मामल्लापुरम-रामेश्वरम-कुलशेखरनपट्टिनम-कन्याकुमारी का विकास | 73.13 |
| 10. | गोवा | 2017-18 | तटीय परिपथ II: रुआ डी ओरम क्रीक - डोना पाउला -कोलवा - बेनौलिम का विकास | 99.35 |

*******